

## शब्दार्थ

दासी = नौकरानी, गुरूजन = बड़े-बूढ़े लोग, शून्य = खाली, कोहराम = रोने-पीटने का शोर, भूमि-शयन = जमीन पर लेटना या सोना, करुण = दर्द भरी, उपद्रव = हो-हल्ला, उत्पात, उत्कंठित = व्यग्र, प्रफुल्ल = प्रसन्न, हतबुद्धि = बुद्धि द्वारा काम न करने की स्थिति में होना।

## उच्चारण

विश्वेश्वर, प्रफुल्ल, उत्कंठित, उपद्रव, विघ्न

## अभ्यास कार्य

### पाठ से

### बहुविकल्पीय प्रश्न

1. सही विकल्प के आगे ( ✓ ) लगाइए :

- लोगों द्वारा काकी को श्मशान ले जाए जाने पर श्यामू ने बड़ा उपद्रव किया, क्योंकि—  
(अ) काकी श्मशान जाने से मना कर रही थी।  
(ब) श्यामू का विचार था कि काकी सो रही हैं, उन्हें सोने दिया जाए।  
(स) लोग काकी को जबरन श्मशान ले ज रहे थे।
- श्यामू और भोला अँधेरी कोठरी में पतंग बाँध रहे थे, क्योंकि—  
(अ) पतंग अँधेरे में ही बाँधी जाती है।  
(ब) वे काकी को बुलाने के रहस्य को अभी गुप्त रखना चाहते थे।  
(स) उन्हें डर था कि कहीं चोरी का भेद खुल न जाए।
- पतंग पर 'काकी' लिखा कागज चिपकाया गया, क्योंकि—  
(अ) श्यामू को 'काकी' नाम पसंद था।  
(ब) 'काकी' लिखने पर पतंग अधिक ऊँचाई पर उड़ती है।  
(स) वह समझता था कि 'काकी' लिखने पर पतंग सही स्थान पर पहुँच जाएगी।
- विश्वेश्वर ने श्यामू को तमाचे जड़े, क्योंकि—  
(अ) उन्हें श्यामू का भोला के साथ रहना पसंद न था।  
(ब) उन्होंने श्यामू के हाथ में पतंग देख ली थी।  
(स) श्यामू ने चोरी की थी।

2. उपयुक्त शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए :

भोला, कोट, पतंग, श्यामू, अंतिम संस्कार

- श्यामू काकी के \_\_\_\_\_ में न जा सका।